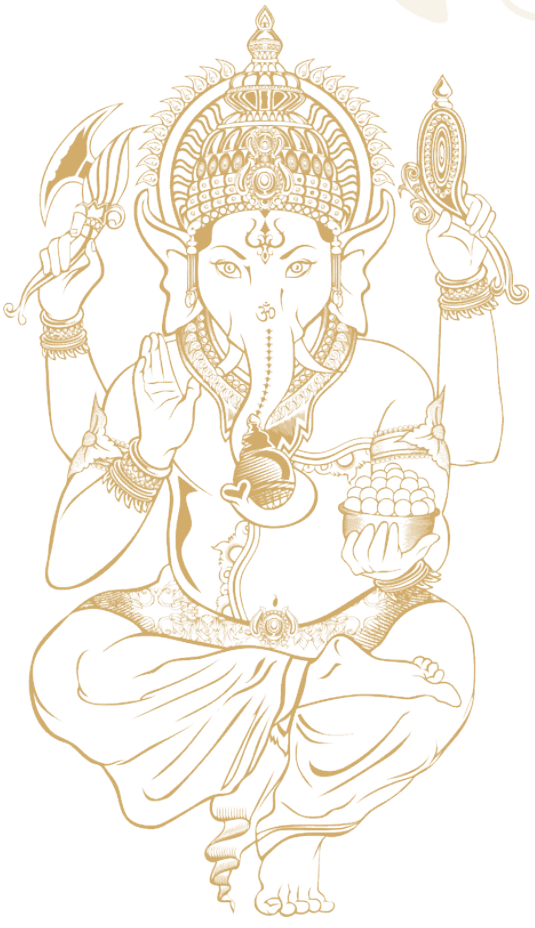

Mr.shivalik

Kalyani Roy

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120408902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/05/1994	जन्म तिथि	8-09/12/1996
मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 17:34:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 31:23:52	जन्म समय(घटी)	54:00:58 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Barauni
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	25:28:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	85:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	00:13:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:00:27	सूर्योदय	06:20:10
18:31:19	सूर्यास्त	16:56:00
23:46:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:52

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 9मा 16दि	27:40:24	तुला	लग्न	तुला	21:56:51	गुरु 3वर्ष 10मा 4दि
बुध	09:18:42	वृष	सूर्य	वृश्चि	23:18:49	बुध
11/03/2017	00:10:12	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	00:07:39	14/10/2019
11/03/2034	06:38:19	मेष	मंगल	सिंह	26:18:52	14/10/2036
बुध 07/08/2019	01:17:07	मिथु	बुध	धनु	12:18:10	बुध 12/03/2022
केतु 03/08/2020	13:07:11	तुला व	गुरु	धनु	26:11:24	केतु 09/03/2023
शुक्र 04/06/2023	10:20:41	मिथु	शुक्र	तुला	25:51:14	शुक्र 07/01/2026
सूर्य 10/04/2024	17:54:10	कुंभ	शनि	मीन	06:49:16	सूर्य 14/11/2026
चन्द्र 09/09/2025	00:02:22	वृश्चि व	राहु व	कन्या	11:30:54	चन्द्र 14/04/2028
मंगल 06/09/2026	00:02:22	वृष व	केतु व	मीन	11:30:54	मंगल 11/04/2029
राहु 26/03/2029	02:20:08	मक व	हर्ष	मक	08:16:55	राहु 30/10/2031
गुरु 02/07/2031	29:20:48	धनु व	नेप	मक	02:13:22	गुरु 04/02/2034
शनि 11/03/2034	02:43:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:43:43	शनि 14/10/2036

लग्न-चलित

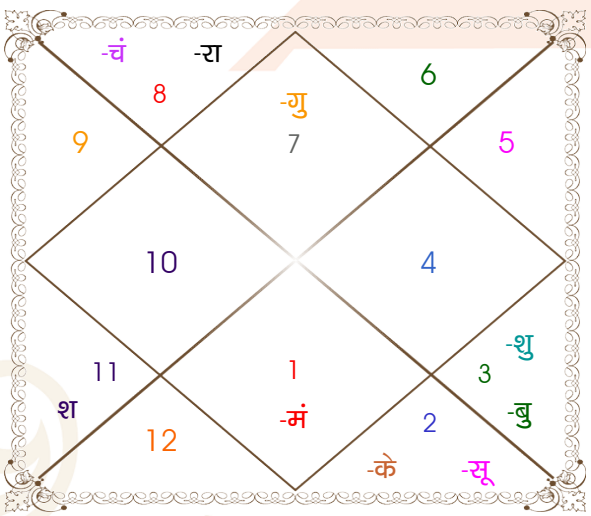

लग्न-चलित

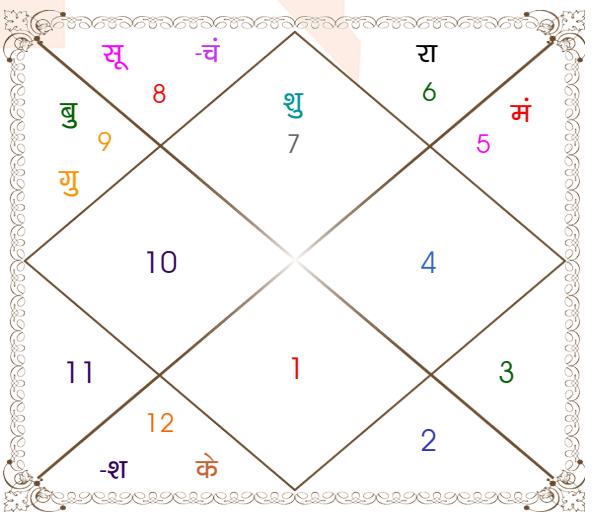

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतणैपअंसपा का वर्ग सर्प है तथा झंसलंदप त्वल का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैपअंसपा और झंसलंदप त्वल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैपअंसपा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतणैपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतणैपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झंसलंदप त्वल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ङ्गंसलंदप त्वल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणैपअंसपा तथा ङ्गंसलंदप त्वल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।